Regarding need to take measures to prevent forest fire occurring every year in Uttarakhand-Laid

श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत **(हरिद्वार) :** मैं सरकार से उत्तराखंड में हर साल होने वाली वनाग्नि (जंगल की आग) की गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । उत्तराखंड का 71% भू-भाग वनों से आच्छादित है, लेकिन हर साल लगने वाली आग हमारी वन संपदा, पर्यावरण, जैव विविधता और मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है । वनाग्नि से हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो जाता है, जिससे वन्यजीवों को नुकसान पहुंचता है और वायु प्रदूषण बढ़ता है । चारधाम यात्रा और पर्यटन के दौरान यह समस्या और विकराल हो जाती है, जिससे पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है । ऐसे में केंद्र सरकार के सहयोग से निम्नलिखित कदम उठाए जाने चाहिए:

1 समस्त पर्वतीय क्षेत्रों में वन पंचायतों को सुदृढ़ किया जाए ।

2. वन पंचायतों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए, ताकि वे वनाग्नि रोकथाम में सक्षम बनें ।

3. वन पंचायतों और वन कर्मियों को अग्नि रोकथाम हेतु अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं ।

4. वनाग्नि रोकथाम हेतु जनजागृति अभियान चलाया जाए ।

5. वर्षा जल संचयन के लिए तालाब और पोखर बनाए जाएं ।

वन हमारी प्राकृतिक धरोहर हैं, जिनकी सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है । अतः इस समस्या के समाधान हेतु त्वरित और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है ।